There has been a newspaper report about dissatisfaction of some teachers of Agra University regarding the decision of the Expert Committee not to recognise a journal published by Agra University as a standard academic journal. According to the information furnished by UGC, the Commission is guided by the views of the Expert Committee while determining suitability of post-graduate departments for receiving development assistance.

खेलों में निष्पादन

1487. **श्री महेन्द्र सिंह लाठर :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1991 में खेलों में देश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है;

(ख) यदि हां, तो 1 जनवरी, 1991 की स्थिति के अनुसार सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में सुधार के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) किन-किन खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय, एशियाई और राष्ट्रीय स्तर के खलों में पिछड़े पाये गये तथा सरकार खिलाड़ियों में मनोवैज्ञानिक, शारीरिक, और तकनीकी दृष्टि से सुधार करने के लिए 1992-93 में क्या विशष कदम उठाने का विचार रखती है?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) जी, नहीं। सभी खेलों में नहीं।

(ख) देश में खेल तथा खेल प्रबन्ध का प्राथमिक दायित्व राष्ट्रीय खेल संघों का है। इसके अतिरिक्त, खेल राज्य का विषय है। तथापि राष्ट्रीय स्तर पर सीनियर/जूनियर और सब-जूनियर आयु-समूहों में—प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए राष्ट्रीय संघों के परामर्श से दीर्घकालीन विकास योजनाओं का अनुमोदन किया गया है। विभिन्न विशेष योजनाओं के माध्यम से खेलों के पैमाने को व्यापक बनाने के प्रयास भी किये जा रहे हैं।

(ग) कुछ अपवादों को छोड़कर भारतीय खिलाड़ी अन्तर्राष्ट्रीय तथा एशियाई स्तरों पर पीछे रहे। 1991-92 के दौरान हमारी उपलब्धियों का विवरण संलग्न है (**नीचे देखिए**)। राष्ट्रीय खेल संघों को भारतीय खेलों के स्तर में सुधार करने के लिए पहल करने की आवश्यकता है।

सरकार बुनियादी और ऊपस्कर सम्बन्धी सहायता, प्रशिक्षण सुविधाएं, भारतीय खेल प्राधिकरण के चिकित्सा केन्द्रों के माध्यम से चिकित्सा सहायता, विदेशों में प्रदर्शन और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार प्रदान करती है।

विवरण

वर्ष 1991-92 के दौरान खेलों में उपलब्धियां

एथलेटिक्स

अक्तूबर, 1991 के दौरान कुआलालाम्पुर में आयोजित 9वीं एशियाई ट्रैक तथा फील्ड मीट में भारत ने 2 स्वर्ण, 4 रजत तथा 2 कॉस्य पदक जीते।

– सितम्बर, 1991 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित 5वीं अन्तर्राष्ट्रीय परमिट मीट में भारत ने 5 कॉस्य पदक जीते।

तीरंदाजी

– दिसम्बर, 1991 के दौरान कलकत्ता में आयोजित द्वितीय फैडरेशन कप अन्तर्राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भारत ने चैम्पियनशिप जीती।

कनोइंग तथा क्याकिंग

– नवम्बर, 1991 के दौरान टोकियो में आयोजित एशियाई कनोइंग चैम्पियनशिप में एस०ए०जी० प्रशिक्षु श्री जोनी रीमल ने 1000 मीटर सी–1 में देश के लिए पहला पदक, रजत पदक जीता।

कैरम

– अक्तूबर, 1991 के दौरान दिल्ली में आयोजित प्रथम कैरम चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने एकल तथा टीम चैम्पियनशिप जीती।

शतरंज

– जनवरी, 1992 के दौरान इटली में आयोजित अत्यन्त जबरदस्त अन्तर्राष्ट्रीय चैस टूर्नामेंट जीत कर श्री विश्वनाथ आनन्द ने ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की।

क्रिकेट (पुरुष)

– आस्ट्रेलिया में आयोजित इण्डो-आस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान श्री कपिल देव 400 टेस्ट विकिट पाने वाले विश्व के दूसरे तथा भारत के पहले खिलाड़ी बने।

घुड़सवारी

– 1991 के दौरान जापान में आयोजित 8वीं एशियाई शो जम्पिंग प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने एक रजत पदक जीता।

हैंडबाल

– अगस्त 1991 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमण्डल जूनियर चैम्पियनशिप में भारतीय बालक तथा बालिका हैंडबाल टीमों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हाकी (पुरुष)

– जुलाई, अगस्त, 91 के दौरान मलेशिया में आयोजित सुलतान अजलम शाह हाकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने भाग लिया तथा टूर्नामेंट जीता।

– भारतीय टीम ने अक्तूबर, 1991 के दौरान ऑकलैण्ड में आयोजित प्री-ओलम्पिक क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में भाग लिया तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया जिसके आधार पर टीम ने ओलम्पिक्स 1992 के लिए अर्हता प्राप्त की।

– भारतीय टीम ने जनवरी, 1992 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित छठा इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट जीता।

जूडो

– नवम्बर, 1991 के दौरान जापान में आयोजित एशियाई जूडो चैम्पियनशिप में श्री सन्दीप बयाला ने कॉस्य पदक जीता।

पावर लिफ्टिंग

1. जून, 1991 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित विश्व महिला पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में भारत ने टीम के रूप में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

2. सितम्बर, 1991 के दौरान आबिद्जान में आयोजित 9वीं विश्व जूनियर पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में भारत ने एक रजत तथा 2 कांस्य पदक जीते।

टेनिस

– श्री लींडर प्यूस ने जून, 1991 के दौरान यू०एस०ए० में आयोजित जूनियर यू०एस० ओपन टैनिस चैम्पियनशिप जीती।

भारोत्तोलन

अगस्त, 1991 के दौरान कार्डिफ में आयोजित सिलवर ड्रेगन अन्तर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष टीम ने 3 स्वर्ण पदक जीते।

अगस्त, 1991 के दौरान इन्डोनेशिया में आयोजित चतुर्थ महिला तथा पांचवीं पुरुष जूनियर एशियाई चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने 3 रजत पदक जीते।

कुश्ती

1. अक्तूबर, 1991 के दौरान न्यूजीलैंड में आयोजित चतुर्थ राष्ट्रमण्डल कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने 3 स्वर्ण, एक रजत तथा 5 कास्य पदक जीते और 8 देशों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

2. अगस्त, 1991 के दौरान यू० एस०एस०आर० में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कुश्ती टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने 7 रजत तथा 3 कांस्य पदक जीते।

3. रूस में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय ग्रोको स्टाइल जूनियर कुश्ती टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने 1 रजत तथा 1 कांस्य पदक जीता।

4. भारतीय पहलवानों ने बेल्जियम में आयोजित विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में प्रथम 10 पहलवानों में स्थान प्राप्त कर बार्सिलोना ओलम्पिक्स के लिए अर्हता प्राप्त की।

बाक्सिंग

बम्बई में आयोजित विश्व इन्टरप्राइज चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने चैम्पियनशिप जीती।

अक्तूबर, 1991 के दौरान हांगकांग में आयोजित छठी एशियाई रिंगेटा चैम्पियनशिप में भारत ने 1 स्वर्ण तथा 1 रजत पदक जीता।

जयपुर विश्वविद्यालय, राजस्थान

1488. **डा० अबरार अहमद :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार कुछ विश्वविद्यालयों/केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने का विचार रखती है और यदि हां, तो ऐसे विश्वविद्यालयों के नाम क्या-क्या हैं और केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने के मानदण्ड क्या हैं?

(ख) क्या राजस्थान के जयपुर विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने का विचार है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) राजस्थान में शिक्षा के प्रसार की योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) और (ख) जी, नहीं। जयपुर विश्वविद्यालय राज्य विधान मण्डल के एक अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया है, और नीति के एक मामले के तौर पर केन्द्रीय सरकार राज्य विश्वविद्यालयों को केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में नहीं बदलती।

(ग) राज्य में विश्वविद्यालयों की विकास योजनाएं राज्य सरकार के परामर्श पर संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जाती हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग भवन, पत्र-पत्रिकाओं, उपस्कर, स्टाफ और शिक्षण और अनुसंधान के स्तर तथा कोटि में सुधार करने के